

- जयितुमेत्य, U. i. 7. ; *uses the right arm to g. me* : समाजने मे सव्येतरं भुजं प्रयुक्ते, Ram. xiii. 43. : v. Also salute.
- GREETER : (1) समाजयितृ (f. त्री) ; (2) better by verb.
- GREETING : (1) समाजनम् ; (2) अभिनन्दनम् (= congratulation) : v. Also salutation.
- GREGARIOUS : (1) यूयचारिन् (f. णी) and sim. comp.s. (=moving in company : as of elephants) ; (2) सहप्रियः (या, यं) and sim. comp.s.
- GREGARIOUSLY : (1) by adj. ; (2) सहशः (in flock).
- GRENADE : *अवपोधिका (used in a like sense in Mah).
- GRENADIER : *दक्षिणरक्षिन् (m.).
- GREY : v. Gray.
- GREYHOUND : श्वन् (m.), and *presented many tiger-like g.s* : व्याघ्रसंहननद्युतीन्.....शुनश्चोपानयद्बहून्, Ram. ii. 72. 24.
- GRICE : शूकरशावः, -कः and sim. comp.s.
- GRIDIRON : अम्बरीषम् (?) ; भ्राष्ट्रम् (=frying pan).
- GRIEF : (1) शोकः, *broken-hearted from g. on account of me* : ममैव शोकेन विदीर्णवक्षसा, N. i. 140. ; (2) दुःखम् (=pain), *g. at a son's loss dries up the heart, body and mind* : हृच्छरीरमनःशोषि दुःखं पुत्रवियोगजम्, Ram. ii. 76. 28. : v. Also sorrow, distress.
- GRIEVANCE : I. Injury : (1) दुःखम् ; (2) कष्टम् ; (3) क्लेशः. II. Grief : सन्तापः.
- GRIEVE (v.i.) : (1) शोचति, *why she will not g. in distress* : कथं शोचेन्न दुःखिता, Ram. ; (2) by adj. : v. Sorry. *To g. at or for* : अनुशोचति, Mah.
- GRIEVE (v.t.) : I. To afflict : (1) दुःखयति (nomi.), *this g.s me* : अदो दुःखाकरोति मां, Si. ii. 11. ; (2) तापयति, सं-, (c. of तप्) (stronger), *g.d by widowhood* : वैधव्यतापिता, Si. xi. 67. ; (3) दुनोति (दु, c. 5), *I am not g.d* : न दुये, Si. II. To mourn : शोचति, *I g. you* : भवन्तं शोचामि, Mr. i.
- GRIEVINGLY : शोचमानः (ना, न) : v. Sorrowfully.
- GRIEVOUS : I. Heinous, aggravated ; घोरः (रा, रं). Ph. : *g. hurt* : घोरक्षतम्. II. Full of grief : शोकाकुलः (ला, लं). III. painful : (1) दुःखाकरः (री, रं) ; (2) दुःखजननः (नी, नं), etc.
- GRIEVOUSLY : (1) घोरम् ; (2) बलवत् ; (3) सशोकम् (=sorrowfully) : v. Also exceedingly, painfully.
- GRIEVOUSNESS : (1) घोरता : v. Fierceness ; (2) शोकाकुलता (=sorrowfulness) ; (3) शोच्यता (=sadness).
- GRIFFIN, GRIFFON : *श्येनसिंहः.
- GRIG : I. An eel : कुञ्चिकाभेदः. II. Health : q.v.
- GRILL : शृज्जति (भ्रस्ज्, c. 6.) : v. To fry.
- GRIM : घोरः (रा, रं) : v. Frightful, horrible.
- GRIMACE : मुखमङ्गिः, K. ; and sim. comp.s.
- GRIMLY : घोरम् : v. Fiercely, sternly.
- GRIMNESS : घोरता : v. Fierceness, frightfulness.
- GRIMY : मलिनः (ना, नं) : v. Dirty, foul.
- GRIN (v.) : दन्तान् दर्शयति (c. of ह्स्), *then the fool g.ned and laughed loudly* : ततो जहास स्वनवन्मूढो दन्तान् दर्शयन्, V.p. v. 28. 15.
- GRIN (subs.) : (1) विकृतस्मितम् (?) ; (2) better as above.
- GRIND (v t.) : I. Lit. : पिनष्टि, निस्-, उव-, विनिस्-प्रति-, (पिष्, c. 7.), *say whether we shall g. the sun on the ground* : किं ब्रूहि भूमौ पिनषाम भानुम्, B. xii. 18. : v. Also to pound. II. Fig. : पिनष्टि, निस्-, विनिस्-, *g. ed (his) teeth from rage* : रोषादन्तान् दन्तैर्निष्पिपेष, Mah. iv. 16. 14. ; *it ground that powder* : तदेष पिपेष पिष्टम्, N. xiii. 19. ; *g. ing the world* : पिष्ट्वा ब्रह्माण्डम्, Vi. vi. 10. ; *ground down by taxes* : करनिष्पिष्टः (ष्टा, ष्ट) : v. To oppress. III. To rub : घर्षति (षष्, c. 1.) : v. To gnash, whet.
- GRIND (v.i.) : I. To do g. ing : पेषणं करोति. II. To become ground : पेष्यते, निस्, विनिस् (pass. of पिष्).
- GRINDER : I. Lit. : पेषकः, निस्-. II. A molar : चर्वणदन्तः (?).
- GRINDINGLY : (1) निष्पिप्य, वि- ; (2) निष्पीड्य.
- GRINDSTONE : I. Whet-stone : q.v. : शाणम्. II. Grinding-s. : पेषणी.